द्वितीय प्रश्न पत्र - वेद एवं उपनिषद् कोड- बी0 ए0 एस एल 302

खण्ड एक . वैदिक सूक्त

इकाई – 1अग्नि1/1 एवं विष्णु सूक्त मूल 154/1,व्याख्या
इकाई – 2अक्षसूक्त्मूल 34/10 , अर्थ, व्याख्या
इकाई – 3शिवसंकल्पसूक्त एवं सूर्य सूक्त)11/1मूल, अर्थ, व्याख्या
इकाई – 4इन्द्र सूक्त 12/2मूल, अर्थ, व्याख्या
इकाई -5 सूक्तों में पठित देवताओं के महत्व की विवेचना संक्षिप्त वैदिक व्याकरण

खण्ड दो. प्रथम अध्याय कठोपनिषद्

इकाई – 1उपनिषद्प्रादुर्भाव -, शिक्षाएं , कठोपनिषद् का विहंगावलोकन
इकाई – 2प्रथम अध्याय ,प्रथम वल्ली मन्त्र संख्या मूल) तक 15से 1,अर्थ, अन्वय, व्याख्या ,व्याकरणादि
इकाई 3प्रथम अध्याय ,प्रथम वल्ली मन्त्र संख्या मूल) तक 29से 16,अर्थ, अन्वय, व्याख्या ,व्याकरणादि
इकाई 4 प्रथम अध्याय ,द्वितीय वल्ली सम्पूर्ण मूल), अर्थ, अन्वय, व्याख्या ,व्याकरणादि
इकाई -5प्रथम अध्याय ,तृतीय वल्ली सम्पूर्ण मूल), अर्थ, अन्वय, व्याख्या ,व्याकरणादि

खण्ड तीन – वैदिक साहित्य का इतिहास

इकाई – 1 वैदिक संहिताएं , भाष्यकार वैदिक एव लौकिक संस्कृत में अन्तर
इकाई – 2 ऋग्वेद– परिचय, समय तथा ऋग्वेद कालीन धर्म, संस्कृति एवं समाज
इकाई – 3 यजुर्वेद- शाखाएं ,भेद, वर्ण्य विषय, धर्म एवम् समाज
इकाई – 4 सामवेदअर्थ-, स्वरूप, शाखाएं , वर्ण्य विषय
इकाई -5 अथर्ववेदरूपस्व -, शाखाएं एवम् वर्ण्य विषय

खण्ड चार -वेदांग उपनिषद् एवं आरण्यक

इकाई – 1 वेदांगों का परिचय एवं वर्ण्य विषय
इकाई – 2 आरण्यक अर्थ-, परिचय एवं वर्ण्य विषय
इकाई – 3 उपनिषद् अर्थ –,रचनाकाल, संख्या एवम् प्रमुख उपनिषदो का परिचय
इकाई – 4 उपनिषदो के प्रमुख प्रतिपाद्य विषय